Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan

बहुविकल्पी प्रश्न

1. संविधान का कौन-सा संशोधन दल-बदल विरोधी कानून से संबंधित हैं?

(अ) 51 वाँ (ब) 52 वाँ

(स) 50 वाँ (द) 54 वाँ

2. राष्ट्रीय पार्टी उन्हें कहा जाता है जिनकी इकाइयाँ —

(अ) इनमें से कोई नहीं (ब) विभिन्न राज्यों में होती हैं

(स) राजधानी में होती हैं (द) कुछ राज्यों में होती हैं

3. एक दलीय व्यवस्था में —

(अ) इनमें से कोई नहीं

(ब) केवल एक ही दल को सरकार बनाने और चलाने की अनुमति है

(स) केवल तीन दलों को सरकार बनाने और चलाने की अनुमति है

(द) केवल दो ही दलों को सरकार बनाने और चलाने की अनुमति है

4. प्रत्येक पार्टी को अपना पंजीकरण कराना पड़ता है —

(अ) स्थानीय सरकार में (ब) चुनाव आयोग में

(स) नगर निगम में (द) सरकार में

5. सांसदों और विधायकों को उसे मानना होता है —

(अ) जो फैसला सरकार करती है (ब) जो फैसला चुनाव आयोग करता है

(स) जो फैसला पार्टी करती है (द) जो फैसला पार्टी नेतृत्व करता है

6. भारत में बहुजन समाज पार्टी का गठन कब हुआ?

(अ) 1920 (ब) 1925

(स) 1984 (द) 1980

7. संविधान की 10वीं अनुसूची किससे संबंधित हैं?

(अ) दल-बदल के आधार पर अयोग्यता संबंधी प्रावधानों से (ब) इनमें से कोई नहीं

(स) सिक्किम के स्तर से संबंधित शर्तों से (द) मिजोरम राज्य के लिए विशेष प्रावधानों से

8. भारत में चुनाव आयोग में नाम पंजीकृत कराने वाले दलों की संख्या है—

(अ) 850 (ब) 750

(स) 550 (द) 650

मिशन ज्ञान
पढ़ें जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

9. **भारतीय जनता पार्टी का मुख्य प्रेरक सिद्धांत क्या है?**

(अ) आधुनिकता (ब) क्रांतिकारी लोकतंत्र

(स) बहुजन समाज (द) सांस्कृतिक राष्ट्रवाद

10. **इनमें से कौन बहुजन समाज पार्टी का संस्थापक है?**

(अ) साहू महाराज (ब) कांशीराम

(स) ज्योतिबा फुले (द) बी.आर आंबेडकर

रिक्त स्थान :

11. _____ राजनीतिक दल का चुनाव चिन्ह साइकिल हैं।

12. _____ एक क्षेत्रीय दल हैं।

सत्य / असत्य

13. भारत में बहुदलीय प्रणाली मौजूद है।

14. राजनीतिक दल लोकतंत्र के सुचारू संचालन में कोई भूमिका नहीं निभाते।

अति लघूत्तरात्मक प्रश्न

15. राजनीतिक दलों के अवगुणों का वर्णन कीजिए।

16. दो दलीय व्यवस्था किसे कहते हैं?

लघूत्तरात्मक प्रश्न

17. दो दलीय व्यवस्था की चर्चा कीजिए।

18. गठबन्धन सरकार से आप क्या समझते हैं?

निबंधात्मक प्रश्न

19. एक-दलीय प्रणाली से आप क्या समझते हैं? एक-दलीय प्रणाली के गुण-दोषों का वर्णन कीजिए।

20. राजनीतिक दलों के कार्य लिखिए।

HOTS

21. राजनीतिक दलों की भूमिका लोकतंत्र को मजबूत करने में कैसे सहायक होती है? स्पष्ट कीजिए।

मिशन ज्ञान
जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें!
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

Worksheet-1
उत्तरमाला

Under CSR Support by ipca | Foundation
missiongyan
JINENDER SONI
Founder, MISSION GYAN

1. (ब) दल बदल विरोधी कानून से संबंधित संशोधन 52 वाँ है।
2. (ब) राष्ट्रीय पार्टी उन्हें कहा जाता है जिनकी इकाइयाँ विभिन्न राज्यों में होती हैं।
3. (ब) एकदलीय व्यवस्था में केवल एक ही दल को सरकार बनाने और चलाने की अनुमति है।
4. (ब) प्रत्येक पार्टी को चुनाव आयोग में अपना पंजीकरण कराना होता है।
5. (द) जो फैसला पार्टी नेतृत्व करता है, सांसदों और विधायकों को उसे मानना होता है।
6. (स) भारत में बहुजन समाज पार्टी का गठन वर्ष 1984 में हुआ।
7. (अ) संविधान में जोड़ी गई 10वीं अनुसूची दल-बदल के आधार पर अयोग्यता संबंधी प्रावधानों से संबंधित है।
8. (ब) भारत में चुनाव आयोग में नाम पंजीकृत कराने वाले दलों की संख्या 750 है।
9. (ब) क्रांतिकारी लोकतंत्र
10. (ब) बहुजन समाज पार्टी (बीएसपी) की स्थापना 1984 में कांशी राम ने की थी। यह बहुजन समाज का प्रतिनिधित्व करना चाहता है, जिसमें अनुसूचित जाति (एससी), अनुसूचित जनजाति (एसटी), ओबीसी और धार्मिक अल्पसंख्यक शामिल हैं।
11. **रिक्त स्थान :** समाजवादी पार्टी
12. **रिक्त स्थान :** जनता दल यूनाइटेड
13. **सत्य / असत्य :** सत्य
14. **सत्य / असत्य :** असत्य
15. राजनीतिक दल पक्षपात करते हैं, भेदभाव व फूट डालते हैं, लोगों को आपस में बाँटने का कार्य करते हैं।
16. जब देश में मुख्य रूप से केवल दो ही राजनीतिक दल हों तो उसे दो दलीय व्यवस्था कहते हैं।
17. कुछ देशों में सत्ता केवल दो देशों में ही बदलती रहती है। वहाँ अनेक दूसरी पार्टियाँ भी हो सकती हैं। वे भी चुनाव लड़कर कुछ सीटों पर जीत प्राप्त कर सकती हैं परन्तु केवल दो दल ही सत्ता पाने और सरकार बनाने के लिए दावेदार होते हैं। अमेरिका और ब्रिटेन में ऐसी ही दो दलीय व्यवस्था है।
18. जब अनेक दल सत्ता की प्रतिस्पर्द्धा में हों और दो दलों से अधिक के लिए दूसरे दलों से गठबन्धन करके सत्ता प्राप्त करने का अवसर हो तो इसे बहुदलीय व्यवस्था कहा जाता है। भारत में बहुदलीय व्यवस्था है। ऐसी व्यवस्था में कई दल गठबन्धन बनाकर सरकार बनाने के लिए स्वतन्त्र होते हैं। इस प्रकार बनी सरकार को गठबन्धन सरकार कहा जाता है। भारत में कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व में संयुक्त प्रगतिशील गठबन्धन की सरकार बन चुकी है, जिसमें कई दल सम्मिलित थे। इसी प्रकार भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व में राष्ट्रीय जनतान्त्रिक गठबन्धन का निर्माण हुआ, जिसने सरकार का गठन किया।
19. **एक-दलीय प्रणाली का अर्थ —** एक-दलीय प्रणाली उस शासन व्यवस्था को कहा जाता है जिसमें शासन की नीतियों पर केवल एक राजनीतिक दल का नियंत्रण होता है और वही दल सरकार की नीति निर्धारण में प्रमुख भूमिका निभाता है। इस प्रणाली में अन्य राजनीतिक दल मौजूद हो सकते हैं, लेकिन इनका शासन की नीतियों या चुनावों पर कोई प्रभाव नहीं होता। उदाहरण के तौर पर, चीन और रूस में एक-दलीय प्रणाली लागू है।

एक-दलीय पद्धति के प्रमुख गुण —

i. **साधारण और मितव्ययी प्रक्रिया:** एक ही राजनीतिक दल के प्रभाव से राज्य के कार्यों में कम खर्च और कम समय लगता है। सभी कार्य सुगमता से पूर्ण होते हैं, जिससे यह प्रणाली मितव्ययी बनती है।

ii. **स्थायित्व और कुशलता:** नीति निर्माण एक ही दल के नेताओं द्वारा किया जाता है, जिससे नीतियों में स्थायित्व और दृढ़ता होती है, और प्रशासन में कुशलता बढ़ती है।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें।
100% FREE!
Video COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App

iii. **लोकहित की प्राथमिकता:** एक-दलीय पद्धति में लोक-कल्याण की व्यवस्था का विशेष ध्यान रखा जाता है, जो इसे एक सकारात्मक विशेषता प्रदान करता है।

iv. **अनुशासन और नियंत्रण:** एक दल की प्रधानता के कारण सरकार के कार्यों में अनुशासन बनाए रखा जाता है। सदस्यों की सीमित संख्या भी अनुशासन को सुनिश्चित करती है।

v. **सुरक्षा:** सेना पर एक ही दल का नियंत्रण होने से, संकट के समय राज्य का नैतिक संगठन मजबूत रहता है, जिससे सुरक्षा सुनिश्चित होती है।

vi. **योग्य व्यक्तियों का प्रशासन:** इस पद्धति में गुणशील व्यक्तियों को प्रशासन में अवसर दिया जाता है, जिससे योग्यतम लोग सरकारी सेवाओं में आते हैं।

vii. **समाजवाद की स्थापना:** किसी देश में समाजवाद की स्थापना के लिए एक-दलीय प्रणाली को आवश्यक और अनिवार्य माना जाता है।

एक-दलीय पद्धति के प्रमुख दोष

i. **व्यक्ति की स्वतंत्रता का हनन :** केवल एक दल का नियंत्रण होने से व्यक्ति की स्वतंत्रता सीमित होती है। मतदाता को केवल दल के आधार पर मतदान करना पड़ता है, न कि उम्मीदवार के व्यक्तित्व के आधार पर।

ii. **विरोधी दलों का अभाव :** लोकतंत्र में सत्तारूढ़ दल की आलोचना के लिए विरोधी दलों का होना आवश्यक है, लेकिन एक-दलीय पद्धति में ऐसा कोई विरोधी दल नहीं होता, जिससे यह लोकतंत्र के खिलाफ मानी जाती है।

iii. **निरंकुशता का खतरा :** एक-दलीय पद्धति में एक दल की निरंकुशता बढ़ने का भय रहता है, जिससे लोकतांत्रिक मूल्यों का हनन होता है।

iv. **लोकहित की उपेक्षा :** सत्तारूढ़ दल अपने ही हितों को प्राथमिकता देता है, जिससे लोक-कल्याण और लोकहितों की अनदेखी होती है।

v. **राष्ट्रीय हितों की उपेक्षा :** दल के सदस्य दल के प्रति अधिक भक्तिभाव रखते हैं, जिससे वे राष्ट्रीय हितों को नजरअंदाज कर देते हैं।

vi. **प्रगतिशील विचारों का विरोध :** एक-दलीय शासन प्रगतिशील विचारों जैसे लोकतंत्र, उदारवाद और स्वतंत्रता का विरोधी बन जाता है।

20. **मूलतः** राजनीतिक दल राजनीतिक पदों को भरते हैं और राजनीतिक सत्ता का इस्तेमाल करते हैं।

चुनाव लड़ना : राजनीतिक पार्टी चुनाव लड़ती है। एक पार्टी अलग अलग निर्वाचन क्षेत्रों के लिये अपने उम्मीदवार मनोनीत करती है।

सरकार बनाना व चलाना राजनीतिक पार्टियाँ सरकार बनाती और चलाती हैं। कार्यपालिका का गठन सत्ताधारी दल के लोगों द्वारा होता है। विभिन्न राजनेताओं को सरकार चलाने के लिये अलग अलग मंत्रालयों की जिम्मेदारी दी जाती है।

कानून बनाना: देश के कानून को बनाने में राजनीतिक पार्टियों की अहम भूमिका होती है। आपको पता ही होगा कि विधायिका द्वारा समुचित बहस के बाद ही किसी कानून को पास किया जाता है। चूँकि विधायिका के अधिकतर सदस्य राजनीतिक पार्टियों के सदस्य होते हैं इसलिये किसी भी कानून के बनने में राजनीतिक दलों का की प्रत्यक्ष भूमिका होती है।

नीति बनाना : राजनीतिक पार्टी अपनी नीतियों और कार्यक्रमों को सामने रखती है ताकि मतदाता किसी एक पार्टी का चुनाव कर सके। एक राजनीतिक पार्टी एक ही तरह के असंख्य मतधारणाओं को एक ही छत के नीचे लाती है। इन मतधारणाओं के बिना पर नीतियों और कार्यक्रमों को तय किया जाता है। किसी भी सत्ताधारी दल की नीतियों और कार्यक्रमों को सरकार द्वारा क्रियांवित करने की अपेक्षा की जाती है।

21. राजनीतिक दल लोकतंत्र को मजबूत करने में निम्नलिखित प्रकार से सहायक होते हैं:वे जनता की इच्छाओं और आकांक्षाओं को सरकार तक पहुँचाते हैं।वे विभिन्न नीतियों और कार्यक्रमों के माध्यम से जनता को विकल्प प्रदान करते हैं।वे विपक्ष में रहकर सरकार की नीतियों पर निगरानी रखते हैं और आलोचना करते हैं जिससे सत्ता का दुरुपयोग न हो।वे जनता को राजनीतिक रूप से जागरूक करते हैं और उनकी भागीदारी सुनिश्चित करते हैं।

मिशन ज्ञान
पढ़ें: जब चाहें, जहाँ चाहें, जैसे चाहें
100% FREE!
VIDEO COURSES | QUIZ | PDF | TEST SERIES
Download Mission Gyan App